Newspaper	Page No.	Date
Swatantra Mat		04-05-2014

नन्द बिहार नगवां में शिव मन्दिर का शिलान्यास

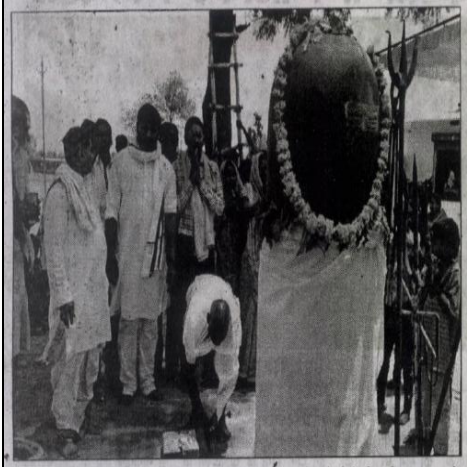

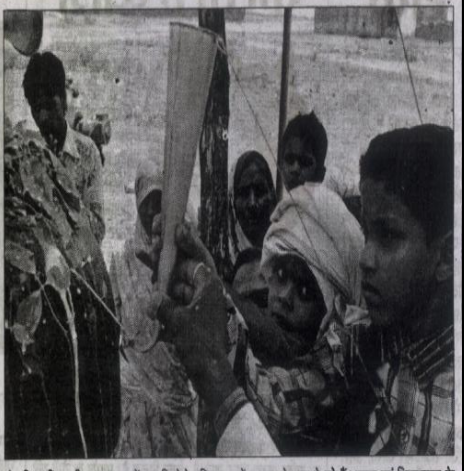

संगरौली

एस्सार पुनर्वास कालोनी में ग्रामीणों ने शिवजी के मन्दिर का शिलान्यास किया। भक्तिमय वातावरण में दौड़ते भागते ग्रामीण पूजन सामग्री की अलग-अलग वस्तुएं अपने घरों से लाते हुये इस शुभ कार्य में अपना योगदान दे रहे थे। एक नवयुवक अपने घर से दौड़ता हुआ गाय का ताजा दूध लाया वहीं दूसरी तरफ एक बालक गांव के पास की अमराई से शुभ आम्र पत्र लाया। एक ग्रामीण महिला अपने हांथों में गेंहू की बालियां लेकर आई। इस दौड़-भाग के बीच युवकों का एक समूह एक छोटे छप्पर के नीचे ढोल और मजीरों के साथ शिव भक्ति के भजन गाता हुआ वायु मण्डल को मन मोहित कर रहा था। वहीं दूसरी ओर कुछ युवक, महिलाएं और बालक पूरे जोर शोर से पूजन पश्चात भण्डारे की तैयारी में लगे थे। नगवां के लगभग 375 एकड़ क्षेत्र में फैले विस्थापित समुदाय के व्यक्तियों की धार्मिक भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुये एस्सार पावर ने मन्दिर के निर्माण में अपना योगदान देना तय किया था।

इसी योजना के तहत अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ग्रामीणों ने विगत दिनों लिये अपने निर्णय को क्रियान्वित करते हुये नन्द विहार के केन्द्र में पहले मन्दिर की स्थापना की शुरुआत की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः रुद्राभिषेक पूजन एवं हवन से हुई। भावविभोर ग्रामीण एक के बाद एक भव्य शिवलिंग पर दूध और जल का अभिषेक कर रहे थे और साथ में गांव के ही एक पण्डित कुछ अन्य के साथ मन्त्रोच्चारण में लगे थे और आसपास खुले मैदान से किलकारियों की आवाजें आ रही थी छोटें-छोटे नन्द गोपालों के खेलने की। मन्दिर निर्माण के पहले पत्थर की स्थापना विस्थापितों के गांव के बुजुर्गवार जयवीर सिंह खैरवार ने की। वहीं दूसरी तरफ यज्ञ में आहूति ऐसे परिवार के बालक रामयज्ञ विश्वकर्मा ने दी, जिसका योगदान विकास के लिये बन रही एस्सार परियोजना में सर्वप्रथम था। नगवां गांव के शुभकरण विश्वकर्मा ने सबसे पहले परियोजना के लिये अपनी भूमि दी थी। मन्दिर के निर्माण में कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों का दायित्व उठाने वाली एस्सार फाउण्डेशन के सदस्य पूरे मनोयोग से जुटे हुये थे। रात्रि जागरण की शुरूआत में गांव वासियों के साथ बैठ कर ये सदस्य ढोल मंजीरा बजा रहे थे और वही सुबह पुनः इन्तजाम में ग्रामीणों का हांथ बंटा रहे थे। लगभग 250 वर्गफुट क्षेत्र में बनने वाले इस मन्दिर की भूमिका की चर्चा के दौरान गांव वालों में इच्छा जताई थी कि भोले बाबा के मन्दिर के निर्माण में वे खुद पहल करना चाहेंगे और इसलिए उन्होंने स्वयं ही एक स्थानीय समिति बनाई। समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधि इस मन्दिर के निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। पूजन एवं शिलान्यास के पश्चात भण्डारे के लिये आसपास के गांवों को भी न्यौता दिया गया था और इस उपलक्ष्य में सैकड़ों ग्रामीणों ने महादेव का प्रसाद ग्रहण किया। यह कालोनी एस्सार पावर एम0पी0 लिमिटेंड द्वारा विस्थापित परिवारों के पुनर्वास हेतु अपने आर एण्ड आर योजना के तहत वर्ष 2009 से स्थापित की गई है। कालोनी में लगभग 710 परिवार निवासरत हैं। उक्त परिवारों के बच्चों के लिये कम्पनी की ओर से 05 वर्ष पूर्व स्थापित विद्यालय में नर्सरी से 10वीं तक की कक्षाएं संचालित हैं जिनमें 1054 बच्चे निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कालोनी में कम्पनी द्वारा स्वास्थ्य केन्द्र संचालित किया जा रहा है जिसमें ग्रामीणों को निःशुल्क, उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। हाल ही में क्षेत्र के युवकों को स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाने के लिए एस्सार लोक विकास केन्द्र की स्थापना कम्पनी द्वारा की गई है।